अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का महत्व और बदलता स्वरूप

प्रश्न 1 (आसान). अंतर्राष्ट्रीय व्यापार क्यों ज़रूरी है, एक वाक्य में बताओ।
उत्तर – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार इसलिए ज़रूरी है क्योंकि कोई भी देश सारी चीज़ें खुद नहीं बना सकता और उसे दूसरों से चीज़ें खरीदनी पड़ती हैं।

प्रश्न 2 (आसान). भारत में पिछले कुछ सालों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की किस बात में बदलाव आया है?
उत्तर – भारत में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की मात्रा, किस तरह की चीज़ें बेची जाती हैं (संघटन), और किन देशों के साथ व्यापार होता है (दिशा), इन सब में बदलाव आया है।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर कोई देश सिर्फ वही चीज़ें बनाए जिसमें वो सबसे अच्छा है, तो उसे क्या फायदा होगा?
उत्तर – उसे 'विशेषज्ञता' का फायदा होगा। वो कम लागत में अच्छी गुणवत्ता वाली चीज़ें बना पाएगा, जिन्हें वो दूसरे देशों को बेचकर ज़्यादा मुनाफा कमा सकता है और बदले में अपनी ज़रूरतों की चीज़ें खरीद सकता है।

प्रश्न 4 (कठिन). अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से एक देश को होने वाले दो आर्थिक लाभ बताओ।
उत्तर – पहला लाभ, देश की अर्थव्यवस्था बढ़ती है क्योंकि उसे नए बाज़ार मिलते हैं और ज़्यादा उत्पादन होता है। दूसरा लाभ, लोगों को कम दाम में बेहतर गुणवत्ता वाली चीज़ें मिलती हैं क्योंकि प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है और हर देश अपनी सबसे अच्छी चीज़ बेचता है।

» भारत के निर्यात-संघटन के बदलते प्रारूप

प्रश्न 5 (आसान). भारत के निर्यात में किन उत्पादों की हिस्सेदारी घटी है?
उत्तर – कृषि एवं समवर्गी उत्पाद और विनिर्मित वस्तुएँ।

प्रश्न 6 (आसान). किस उत्पाद की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है?
उत्तर – पेट्रोलियम एवं अपरिष्कृत उत्पाद।

प्रश्न 7 (मध्यम). भारत के कुल निर्यात मूल्य में 2021-22 में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी कितने प्रतिशत थी?
उत्तर – 67.8 प्रतिशत।

प्रश्न 8 (कठिन). कृषि उत्पादों के निर्यात में गिरावट के बावजूद किन कृषि उत्पादों में वृद्धि दर्ज की गई है?
उत्तर – फूलों की खेती से जुड़े उत्पाद, ताजे फल, समुद्री उत्पाद और चीनी।

» भारत के आयात-संघटन के बदलते प्रारूप

प्रश्न 9 (आसान). किस दशक में भारत को खाद्यान्नों की भारी कमी के कारण उनका आयात करना पड़ता था?
उत्तर – 1950 और 1960 के दशक में।

प्रश्न 10 (आसान). हरित क्रांति के सफल होने के बाद भारत के किस आयात में कमी आई?
उत्तर – खाद्यान्नों के आयात में कमी आई।

प्रश्न 11 (मध्यम). 1973 के ऊर्जा संकट का भारत के आयात पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर – पेट्रोलियम के दामों में उछाल आया, जिससे पेट्रोलियम और उर्वरकों का आयात बजट बढ़ गया और इनकी खरीद बढ़ानी पड़ी।

प्रश्न 12 (कठिन). वर्तमान में भारत की प्रमुख आयात वस्तुएँ कौन सी हैं और ये पहले के आयात से किस प्रकार भिन्न हैं?
उत्तर – वर्तमान में प्रमुख आयात वस्तुएँ पेट्रोलियम उत्पाद, पूंजीगत वस्तुएँ, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, रत्न, सोना और रसायन हैं। यह पहले के खाद्यान्न आधारित आयात से बहुत अलग है, जो यह दर्शाता है कि भारत की अर्थव्यवस्था अब अधिक औद्योगिक और विकसित हो रही है।

» व्यापार की दिशा

प्रश्न 13 (आसान). भारत किन महाद्वीपों के साथ सबसे अधिक व्यापार करता है?
उत्तर – भारत एशिया (जिसमें आसियान भी शामिल है) और यूरोप के साथ सबसे अधिक व्यापार करता है।

प्रश्न 14 (आसान). व्यापार की दिशा' शब्द का क्या अर्थ है?
उत्तर – इसका अर्थ है कि भारत किन-किन देशों और क्षेत्रों के साथ वस्तुओं का आयात और निर्यात करता है।

प्रश्न 15 (मध्यम). भारत के व्यापार में उत्तरी अमेरिका और अफ्रीका में से किस क्षेत्र का हिस्सा ज़्यादा है?
उत्तर – भारत के व्यापार में उत्तरी अमेरिका का हिस्सा अफ्रीका से ज़्यादा है।

प्रश्न 16 (कठिन). यह समझना क्यों महत्वपूर्ण है कि भारत किन देशों के साथ व्यापार करता है?
उत्तर – यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें पता चलता है कि कौन हमारे प्रमुख व्यापारिक भागीदार हैं, किन पर हमारी अर्थव्यवस्था निर्भर करती है, और वैश्विक स्तर पर हमारे संबंध कैसे हैं।

» समुद्री पत्तन: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार

प्रश्न 17 (आसान). भारत में कितने प्रमुख समुद्री पत्तन हैं?
उत्तर – भारत में 12 प्रमुख समुद्री पत्तन हैं।

प्रश्न 18 (आसान). भारत की तटरेखा किस ओर अधिक लंबी है?
उत्तर – भारत की तटरेखा लगभग 7516.6 किलोमीटर लंबी है।

प्रश्न 19 (मध्यम). भारत के पश्चिमी तट पर अधिक पत्तन होने का क्या कारण है?
उत्तर – पश्चिमी तट की भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक बंदरगाहों की उपलब्धता और यूरोपीय देशों के साथ ऐतिहासिक व्यापारिक संबंधों के कारण यहाँ अधिक पत्तन हैं।

प्रश्न 20 (कठिन). अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समुद्री पत्तनों की भूमिका का विश्लेषण करें और बताएं कि वे आर्थिक विकास में कैसे योगदान करते हैं।
उत्तर – समुद्री पत्तन कच्चे माल के आयात और तैयार उत्पादों के निर्यात को सुविधाजनक बनाकर औद्योगिक विकास को बढ़ावा देते हैं। वे रोजगार सृजित करते हैं, परिवहन लागत कम करते हैं, और वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान करके देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं। ये 'प्रवेश द्वार' देश की व्यापारिक क्षमता और विदेशी मुद्रा आय को बढ़ाते हैं।

» पश्चिमी तट के प्रमुख पत्तन

प्रश्न 21 (आसान). दीनदयाल पत्तन का पुराना नाम क्या है?
उत्तर – कांडला पत्तन

प्रश्न 22 (आसान). भारत का सबसे बड़ा प्राकृतिक पत्तन कौन सा है?
उत्तर – मुंबई पत्तन

प्रश्न 23 (मध्यम). जवाहरलाल नेहरू पत्तन को क्यों विकसित किया गया था?
उत्तर – मुंबई पत्तन पर दबाव कम करने के लिए इसे एक सहायक पत्तन के रूप में विकसित किया गया था।

प्रश्न 24 (कठिन). मार्मागाओ पत्तन की मुख्य विशेषता क्या है और वह किन राज्यों के व्यापार को संभालता है?
उत्तर – यह गोवा का एक प्राकृतिक बंदरगाह है, जो मुख्य रूप से जापान को लौह-अयस्क के निर्यात के लिए महत्वपूर्ण है। यह गोवा, कर्नाटक और दक्षिणी महाराष्ट्र के पृष्ठ प्रदेश को सेवाएँ देता है।

» पूर्वी तट के प्रमुख पत्तन

प्रश्न 25 (आसान). कौन-सा पत्तन हुगली नदी पर स्थित है?
उत्तर – कोलकाता पत्तन

प्रश्न 26 (आसान). चेन्नई पत्तन किस प्रकार का पत्तन है (प्राकृतिक/कृत्रिम)?
उत्तर – कृत्रिम पत्तन

प्रश्न 27 (मध्यम). चेन्नई पत्तन के दबाव को कम करने के लिए तमिलनाडु में कौन-से दो नए पत्तन विकसित किए गए हैं?
उत्तर – एन्नोर और तूतीकोरिन पत्तन

प्रश्न 28 (कठिन). पारादीप पत्तन की दो प्रमुख विशेषताएँ बताइए और यह किस राज्य में स्थित है?
उत्तर – पारादीप पत्तन ओडिशा में महानदी डेल्टा पर स्थित है। इसका पोताश्रय सबसे गहरा है, जिससे यह भारी जहाजों के लिए अनुकूल है। इसे मुख्य रूप से लौह-अयस्क के बड़े पैमाने पर निर्यात के लिए विकसित किया गया है।

» हवाई अड्डे: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भूमिका

प्रश्न 29 (आसान). कौन से सामान हवाई जहाज से भेजे जाते हैं: (अ) कोयला, (ब) फूल, (स) तेल?
उत्तर – फूल

प्रश्न 30 (आसान). क्या भारी सामान हवाई जहाज से भेजना सस्ता होता है?
उत्तर – नहीं

प्रश्न 31 (मध्यम). भारत के किन्हीं दो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के नाम बताओ।
उत्तर – दिल्ली, मुंबई (या चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, आदि)

प्रश्न 32 (कठिन). समुद्री पत्तनों की तुलना में हवाई अड्डों की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में क्या सीमाएं हैं? (दो कारण बताएं)
उत्तर – हवाई परिवहन भारी और स्थूल वस्तुओं के लिए बहुत महंगा होता है। यह सिर्फ उच्च मूल्य वाले या कम वजन वाले सामानों के लिए ही उपयुक्त है, बड़े पैमाने पर व्यापार के लिए नहीं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. अगर भारत अमेरिका को 500 करोड़ रुपये का कपड़ा बेचता है और बदले में अमेरिका से 300 करोड़ रुपये की मशीनें खरीदता है, तो भारत के लिए व्यापार संतुलन क्या होगा?

› पहला कदम: देखो कि भारत कितना सामान बेच रहा है (निर्यात) - यह 500 करोड़ रुपये का कपड़ा है।
› दूसरा कदम: देखो कि भारत कितना सामान खरीद रहा है (आयात) - यह 300 करोड़ रुपये की मशीनें हैं।
› तीसरा कदम: व्यापार संतुलन निकालने के लिए निर्यात मूल्य में से आयात मूल्य को घटाओ। 500 करोड़ - 300 करोड़ = 200 करोड़ रुपये।

उत्तर – भारत का व्यापार संतुलन 200 करोड़ रुपये 'सकारात्मक' (या 'अधिशेष') है, मतलब भारत ने ज्यादा बेचा है।

उदाहरण 2. मान लीजिए, भारत ने 2010 में कुल 100 करोड़ का निर्यात किया, जिसमें 30 करोड़ कृषि उत्पाद थे। 2020 में कुल 200 करोड़ का निर्यात किया, जिसमें 40 करोड़ कृषि उत्पाद थे। क्या कृषि उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ी या घटी?

› 2010 में कृषि उत्पादों की हिस्सेदारी निकालो: (30 करोड़ / 100 करोड़) * 100 = 30%
› 2020 में कृषि उत्पादों की हिस्सेदारी निकालो: (40 करोड़ / 200 करोड़) * 100 = 20%
› दोनों की तुलना करो: 30% से 20% हो गई।

उत्तर – कृषि उत्पादों की हिस्सेदारी घट गई है (30% से 20%)।

उदाहरण 3. भारत के आयात-संघटन में 1950 के दशक से 2020 के दशक तक क्या प्रमुख परिवर्तन आए हैं? किन्हीं तीन परिवर्तनों को उदाहरण सहित समझाएँ।

› पहला परिवर्तन: 1950-60 के दशक में भारत को खाद्यान्नों की गंभीर कमी का सामना करना पड़ा था। उस समय हमारी मुख्य आयात वस्तुएँ खाद्यान्न, पूंजीगत माल और मशीनरी थीं। हमें खाने के लिए भी बाहर से मंगाना पड़ता था।

› दूसरा परिवर्तन: 1970 के दशक में हरित क्रांति के सफल होने के बाद, हम खाद्यान्न में आत्मनिर्भर हो गए। इसलिए खाद्यान्नों का आयात काफी कम हो गया। लेकिन, 1973 के ऊर्जा संकट के कारण पेट्रोलियम के दाम बढ़ गए और हमें पेट्रोलियम तथा उर्वरकों का आयात बढ़ाना पड़ा।

› तीसरा परिवर्तन: वर्तमान में, यानी 2020 के दशक में, पेट्रोलियम उत्पाद हमारे आयात में सबसे बड़ा हिस्सा रखते हैं, क्योंकि उद्योगों और वाहनों के लिए ईंधन की बहुत ज़रूरत होती है। इसके अलावा, मोती, बहुमूल्य रत्न, सोना, चांदी, अलौह धातुएँ, मशीनें, पूंजीगत वस्तुएँ और रसायन भी हमारी प्रमुख आयात वस्तुएँ हैं।

› निष्कर्ष: इस तरह, भारत के आयात का प्रारूप खाद्यान्न से बदलकर पेट्रोलियम, पूंजीगत वस्तुओं और महंगे रत्नों जैसी चीज़ों की ओर बढ़ गया है, जो हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था और बदलती ज़रूरतों को दिखाता है।

उत्तर – भारत के आयात संघटन में खाद्यान्न से पूंजीगत वस्तुओं, पेट्रोलियम, उर्वरक और आधुनिक तकनीकों की ओर महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं।

उदाहरण 4. मान लीजिए, भारत ने 2021-22 में एशिया और आसियान देशों से कुल 29,18,577 करोड़ रुपये का आयात किया। उत्तरी अमेरिका से 3,78,041 करोड़ रुपये का आयात किया। तो बताओ, भारत ने इन दोनों क्षेत्रों से कुल कितने रुपये का आयात किया?

› पहले एशिया और आसियान से आयात देखें: 29,18,577 करोड़ रुपये।

› फिर उत्तरी अमेरिका से आयात देखें: 3,78,041 करोड़ रुपये।

› दोनों को जोड़ दें: 29,18,577 + 3,78,041 = 32,96,618 करोड़ रुपये।

उत्तर – भारत ने इन दोनों क्षेत्रों से कुल 32,96,618 करोड़ रुपये का आयात किया।

उदाहरण 5. भारत में समुद्री पत्तनों का क्या महत्व है और ये अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को कैसे सुविधाजनक बनाते हैं?

› पहला कदम: पत्तन जहाज़ों को लंगर डालने, माल उतारने और चढ़ाने के लिए सुरक्षित स्थान प्रदान करते हैं।

› दूसरा कदम: ये पत्तन देश के अंदरूनी इलाकों को समुद्री मार्गों से जोड़ते हैं, जिससे सामान आसानी से अंदर और बाहर जा सके।

› तीसरा कदम: ये आयात और निर्यात दोनों प्रक्रियाओं के लिए एक केंद्रीय बिंदु के रूप में काम करते हैं, जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सस्ता और कुशल बनता है।

उत्तर – समुद्री पत्तन भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए जीवनरेखा हैं, जो सामान के सुगम प्रवाह और अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उदाहरण 6. भारत के पश्चिमी तट पर स्थित किस पत्तन को 'अरब सागर की रानी' के नाम से जाना जाता है और वह किस राज्य में है?

› पहला कदम है सवाल को ध्यान से पढ़ना। यहाँ दो बातें पूछी गई हैं - पत्तन का लोकप्रिय नाम और उसका राज्य।

› दूसरा कदम है याद करना कि हमने किस पत्तन को 'अरब सागर की रानी' कहा था।

› हाँ, कोच्चि पत्तन को ही 'अरब सागर की रानी' कहा जाता है।

› तीसरा कदम है याद करना कि कोच्चि पत्तन कौन से राज्य में है।

› कोच्चि पत्तन केरल राज्य में है।

उत्तर – कोच्चि पत्तन को 'अरब सागर की रानी' के नाम से जाना जाता है और यह केरल राज्य में स्थित है।

उदाहरण 7. भारत के पूर्वी तट पर स्थित किन्हीं दो प्रमुख पत्तनों के नाम और उनकी मुख्य विशेषताएँ बताइए।

› पहला पत्तन: कोलकाता पत्तन। इसकी मुख्य विशेषता है कि यह हुगली नदी पर स्थित एक 'नदी पत्तन' है और बंगाल की खाड़ी से 128 किलोमीटर अंदर है। यह भूटान और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों के लिए भी व्यापार सुविधाएँ देता है।

› दूसरा पत्तन: विशाखापट्नम पत्तन। यह आंध्र प्रदेश में एक 'भू-आबद्ध पत्तन' है, यानी चारों तरफ से जमीन से घिरा हुआ है और इसे नहर खोदकर समुद्र से जोड़ा गया है। यह मुख्य रूप से लौह-अयस्क और पेट्रोलियम का निपटान करता है।

उत्तर – कोलकाता पत्तन (नदी पत्तन, भूटान-नेपाल के लिए सहायक) और विशाखापट्नम पत्तन (भू-आबद्ध पत्तन, लौह-अयस्क और पेट्रोलियम के लिए महत्वपूर्ण)।

उदाहरण 8. भारत से जापान को 500 किलोग्राम ताजे आम भेजने हैं, जो 3 दिन के अंदर पहुंचने चाहिए। कौन सा परिवहन मार्ग सबसे उपयुक्त होगा और क्यों?

› पहचानो कि वस्तु क्या है: ताजे आम। ये शीघ्र नाशवान होते हैं और इन्हें जल्दी पहुंचाना ज़रूरी है।

› निर्धारित करो कि डिलीवरी समय क्या है: 3 दिन। समुद्री मार्ग से इतना जल्दी पहुंचना संभव नहीं।

› परिवहन के विकल्पों का मूल्यांकन करो: समुद्री मार्ग (धीमा, सस्ता), वायु मार्ग (तेज, महंगा), सड़क मार्ग (सिर्फ पड़ोसी देशों के लिए)।

› सबसे उपयुक्त मार्ग चुनो: वायु मार्ग।

› कारण बताओ: वायु मार्ग सबसे तेज है और ताजे, शीघ्र नाशवान आमों को समय पर खराब होने से बचाने के लिए आदर्श है।

उत्तर – इस स्थिति में, वायु मार्ग (हवाई जहाज) सबसे उपयुक्त होगा क्योंकि ताजे आम शीघ्र नाशवान होते हैं और 3 दिन की समय-सीमा में केवल वायु मार्ग ही उन्हें इतनी जल्दी और ताज़ा पहुंचा सकता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• बोर्ड परीक्षा में, इन बदलते प्रारूपों पर आधारित सीधा सवाल आ सकता है कि किन वस्तुओं का निर्यात बढ़ा और किनका घटा। डेटा याद रखने की बजाय मुख्य रुझानों को समझना ज़रूरी है।

• इस टॉपिक से मानचित्र आधारित प्रश्न (Map-based questions) आ सकते हैं, जिनमें आपको मुख्य पत्तन और उनके पृष्ठ प्रदेशों (hinterlands) को पहचानना होगा।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर पत्तनों के नाम, उनकी विशेषताएं और वे किन वस्तुओं का व्यापार करते हैं या उनका 'पृष्ठ प्रदेश' क्या है, इस पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं। मानचित्र पर इनकी स्थिति को पहचानना भी अभ्यास कर लेना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर पत्तनों के नाम, उनकी मुख्य विशेषताएँ और वे किस राज्य में हैं, ये पूछा जाता है। मानचित्र पर इनकी स्थिति पहचानना भी सीख लेना।

एक नज़र में रिवीज़न

› कृषि/विनिर्मित वस्तुओं की निर्यात हिस्सेदारी घटी; पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ी।

› व्यापार की दिशा = किन देशों/क्षेत्रों से आयात-निर्यात होता है।

› पश्चिमी तट के पत्तन: दीनदयाल, मुंबई, JNPT, मार्मागाओ, न्यू मंगलौर, कोच्चि; व्यापार की रीढ़।

› पूर्वी तट: कोलकाता (नदी), हल्दिया, पारादीप (गहरा), विशाखापट्नम (भू-आबद्ध), चेन्नई (कृत्रिम), एन्नोर, तूतीकोरिन।